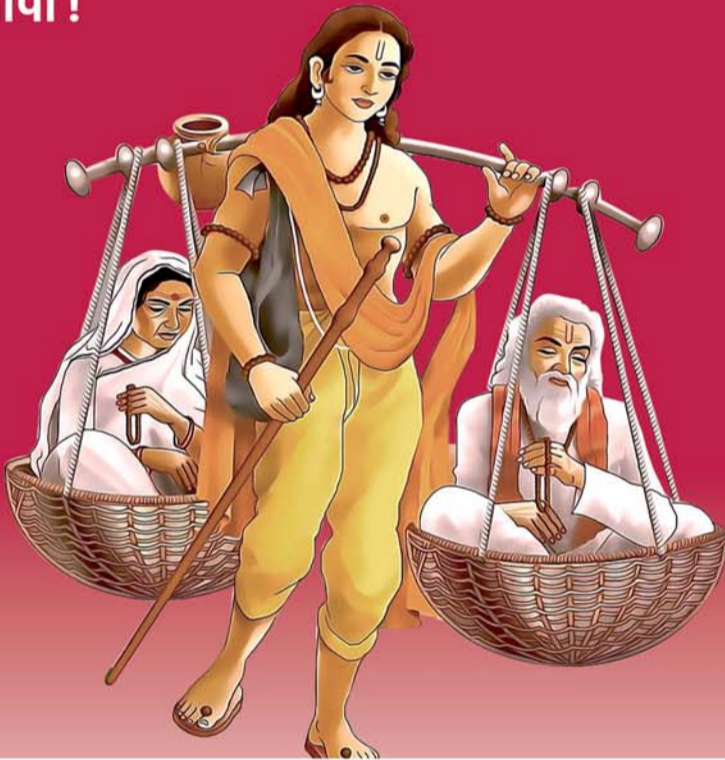


# क्या हैं आज भी श्रवण कुमार ?

बीवी-बच्चों के लिए तो बहुत कुछ किया पर जिन्होंने पूरे जीवन आपके लिए सब कुछ किया उनके लिए क्या किया ?  
सोच लो... उनके रहते कुछ करना है या बाद में प्रायश्चित करना है?  
तो इस फादर्स-डे बुक करो उनके नाम की कोठी और नेम प्लेट पर लिखो पापा !




## PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट ₹	पजेशन की रेट ₹₹₹	पजेशन के बाद रेंटल POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज			
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	58.95 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	65.50 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	72.05 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	78.60 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	91.70 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	131.00 LACS	150 LACS	50,000

गिनती की कुछ कोठी बची हैं !





 <p>सत्यमेव जयते</p>	<p><b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b></p>	<p><b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b></p>
	<p>साधिकार प्रकाशित</p>	<p>Published by Authority</p>
	<p>वैशाख 13, शुक्रवार, शके 1946-मई 03, 2024 Vaisakha 13, Friday, Saka 1946- May 03, 2024</p>	

**भाग-1(ख)**  
**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**  
**प्रपत्र-7**  
**नियम 16 के उपनियम-(1) देखे**  
**कार्यालय भूमि आवाप्ति अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी हिण्डौन जिला करौली**  
**प्रारम्भिक अधिसूचना**  
**करौली, फरवरी 01, 2024**

**संख्या भूमि अवाप्ति/2024** :-चूंकि राजस्थान सरकार/कलेक्टर को प्रतीत होता है कि 3.6527 है० भूमि, कोटा-मथुरा रोड रेलवे समपार एल.सी. 199 पर आर.ओ.बी. निर्माण कार्य के लिए आवश्यक है, जिसके लिए सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन (एस.आई.ए.) का कार्य मेसर्स राईट्स लिमिटेड (M/SRITESLTD.) द्वारा करवाया गया। एस.आई.ए. अध्ययन की रिपोर्ट का मूल्यांकन नियम 16 के अंतर्गत सरकार द्वारा गठित बहुउद्देशीय कमेटी द्वारा किया गया जिसे सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था।

एस.आई.ए. रिपोर्टविवरण निम्न प्रकार से है:-  
रिपोर्ट के अनुसार परियोजना से किसी भी परिवार के विस्थापन की आशंका नहीं है। अतः यह अधिसूचित किया जाता है कि उपरोक्त परियोजना के लिए अधिग्रहण की जाने वाली भूमि के खण्डों का विस्तार से विवरण निम्नानुसार है:-

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	खसरा नंबर	क्षेत्रफल है. में मानक माप
1	2	3	4	5
करौली	हिण्डौन	हिण्डौन ए.बी.सी.डी.	45	3.6527

- अधिसूचित भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन अधिनियम 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013) में उचित क्षतिपूर्ति और पारदर्शिता के अधिकार की धारा 11(1) के प्रावधानों के तहत की गई है।
- सरकार द्वारा अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खण्ड हिण्डौन व उसके कर्मचारी को ईलाके में किसी भी भूमि की सर्वे, नाप व लेवल के लिए प्रवेश करने, भूमि के नीचे मिट्टी की जांच के लिए बोर करने या परियोजना के किर्यान्वे व उचित निर्माण के लिए अधिनियम की धारा 12 के अंतर्गत वर्णित प्रावधानों की अनुसार प्राधिकृत किया जाता है।
- भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11(4) के अनुसार कोई भी व्यक्ति ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख पर अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों को पूरा हो जाने के समय तक प्रारम्भिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कलेक्टर की अनुमति के बिना कोई संव्यवहार नहीं करेगा या कोई संव्यवहार कराएगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।
- उपरोक्त भूमि में कोई भी हितवृद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अधिनियम की धारा 15 के अंतर्गत अधिग्रहण के संबंध में अपत्ति सम्बंधित जिला कलेक्टर या उपखंड अधिकारी हिण्डौन के समक्ष प्रस्तुत कर सकेगा।

स्थान:- हिण्डौन  
**भूमि आवाप्ति अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी हिण्डौन, जिला करौली।**  
भू-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 के तहत ग्राम हिण्डौन जिला करौली की अर्जित कीजा रही भूमि का विवरण:-

क्र.सं.	खसरा संख्या	भूमि का प्रकार	किस्म भूमि	कुल रकबा (है.)	अवाप्त किए जाने वाला क्षेत्रफल (है.)	प्रभावित व्यक्ति का नाम/पता	सीमाएं				सूचा		संरचना		विवरण
							पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	किस्म	संख्या	प्रकार	पिंच्य का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
1	2985	अकृषि	गै.मु. कुँआ	0.02 00	0.0074	उगन्ती पुत्री रामभरोसी हिस्सा- 1/40 जाति- जाटव, कमलेश पुत्री रामलाल हिस्सा- 1/120 जाति- जाटव,काड या पुत्र दौजी हिस्सा- 1/8 जाति- जाटव,	29 86	2983	298 4	304 3			1 च बू त रा 1 झो प डी	15X1 5फीट	1/144 जाति- जाटव, बाबूलाल पुत्र सरमन हिस्सा- 1/36 जाति- जाटव, बाबूलाल पुत्र सरमन हिस्सा- 1/12 जाति- जाटव, भरतलाल पुत्र रामधन हिस्सा- 1/12 जाति- जाटव, मुन्नालाल पुत्र रामभरोसी हिस्सा- 1/40 जाति- जाटव, ममतेश पुत्री भदई हिस्सा- 1/96 जाति- जाटव, मानसिंह पुत्र रामधन हिस्सा- 1/12 जाति- जाटव, मीरा पुत्री रामलाल हिस्सा- 1/120 जाति-

## अयोध्या के नव निर्वाचित सांसद इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार होंगे लोकसभाध्यक्ष पद के लिए

### सपा के अवधेश प्रसाद अयोध्या के नये सांसद हैं तथा दलित हैं

**-रेणु मित्तल-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 15 जून। इंडिया गठबंधन ने फैसला किया है कि अगर सरकार ने लोकसभा स्पीकर के पद पर विपक्ष से संपर्क कर सर्व सम्मति बनाने का प्रयास नहीं किया अथवा ऐसा प्रत्याशी नहीं चुना जो सभी को स्वीकार्य हो तो विपक्ष स्पीकर का चुनाव लड़ेगा। स्पीकर का चुनाव लड़ने का दूसरा बड़ा कारण यह भी है कि सरकार विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का पद नहीं देना चाहती है, जैसे कि पूर्व में परम्परा रही है। वर्ष 2014 में जब मोदी पहली बार केन्द्र में सत्तारूढ़ हुए थे तब डिप्टी स्पीकर का पद भाजपा की सहयोगी पार्टी अन्नाद्रमुक को दिया गया था और अन्नाद्रमुक के प्रत्याशी थम्बी दुरै को डिप्टी स्पीकर बनाया गया था।

वर्ष 2019 में मोदी और भी बड़े बहुमत के साथ सत्ता में आए थे तब डिप्टी स्पीकर का पद खाली रखा गया था और ओम बिडुला ने भाजपा आदेश के अनुसार लोकसभा चलाई थी। विपक्षी नेता चाहते हैं कि स्पीकर के पद पर निर्णय 24 जून, जिस दिन

- विपक्ष को पूरा भरसा है कि, भाजपा सरकार विपक्ष के साथ बैठकर बातचीत करके "कॉमन" सर्वसम्मत स्पीकर पर सहमति बनाने का प्रयास भी नहीं करेगी, क्योंकि, वो लोकसभा अध्यक्ष पद पर अपना ही विश्वासपात्र आदमी चाहेगी, यहाँ तक कि, संभवतया एन.डी.ए. के अन्य घटकों को भी विश्वास में नहीं लेगी।
- विपक्ष अपना उम्मीदवार इसलिये भी खड़ा करना चाहती है, क्योंकि, उसका यह भी मानना है कि, भाजपा, लोकसभा उपाध्यक्ष का पद भी विपक्ष को ऑफर नहीं करेगी, वैसे संसदीय परम्परा के अनुसार, उपाध्यक्ष के पद पर विपक्ष का नुमाइंदा बैठता आया है।
- विपक्ष स्पीकर के पद के लिये चुनाव लड़कर, यह भी भांपना चाहती है कि, अन्ततोगत्वा इंडिया गठबंधन (विपक्ष) के समर्थन में कितने सांसद हैं। क्योंकि, कई छोटे-छोटे राजनीतिक दल, जैसे जगन रेड्डी की पार्टी, अन्नाद्रमुक, अकाली दल व बी.जे.डी. ने अभी भी यह स्पष्ट नहीं किया है कि, वे किस ग्रुप में हैं, सरकारी पक्ष या विपक्ष।
- और अगर स्पीकर के पद का चुनाव हुआ तो इन दलों को अपना सोच सार्वजनिक करना ही पड़ेगा।
- स्पीकर के पद का चुनाव 26 जून को है, अतः सभी राजनीतिक दलों को 24 जून तक इस बारे में निर्णय लेना ही पड़ेगा।

संसद सत्र शुरू होगा, से पहले ही हो जाना चाहिए। स्पीकर का चुनाव 26 जून को होगा है। विपक्ष को यह उम्मीद नहीं है कि स्पीकर का पद भाजपा किसी सहयोगी

दल को देगी, क्योंकि भाजपा लोकसभा पर पूर्ण नियंत्रण चाहती है। विपक्ष को यह भी उम्मीद नहीं है कि भाजपा किसी एक नाम पर सर्व सम्मति के लिए विपक्ष के साथ कोई

विचार-विमर्श करेगी। यह मोदी की कार्यशैली नहीं है। बहुत कम लोगों को लगता है कि मोदी की कार्यशैली में कोई बदलाव होगा। विपक्ष ने तय किया है कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## मोदी वाराणसी से किसानों को 20,000 करोड़ बांटेंगे

**-जाल खंबाता-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 15 जून। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को वाराणसी जा रहे हैं, वे वहाँ पी.एम. किसान स्कीम के तहत किसानों को लगभग 20,000 करोड़ रुपये की 17वीं किश्त वितरित करेंगे। वे वहाँ स्वयं सहायता समूह की

■ प्रधानमंत्री किसान योजना की 17वीं किश्त बांटने के लिए मंगलवार को वे वाराणसी जाएंगे। इस दौरान 30,000 स्वयं सेवी समूहों को "कृषि सखी" प्रमाण पत्र देगे।

30,000 से अधिक कृषि सखियों को प्रमाण पत्र भी देंगे। दिल्ली में आयोजित एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान प्रधानमंत्री मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता में हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने अपने पद का कार्यभार संभालते ही सर्वप्रथम "किसान सम्मान निधि" की फाईल पर हस्ताक्षर किये थे। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 9.26 करोड़ से अधिक किसान लाभार्थियों को पी.एम. वाराणसी से एक बटन दबाकर यह राशि वितरित करेंगे। चौहान ने कहा कि किसान सम्मान (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## 'न मैं स्पीकर शिप पर अडूं, न विभागों के वितरण पर रोष दिखाऊं'

"पर, आप बिहार में मध्यावधि चुनाव, महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखण्ड के साथ करा दें": नीतीश कुमार ने मोदी से गुहार की

**-श्रीनंद झा-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 15 जून। लोकसभा स्पीकर के पद के लिए भाजपा प्रत्याशी को बिना शर्त समर्थन देने की एवज में जद (यू) प्रमुख नीतीश कुमार का आग्रह है कि भाजपा बिहार के विधानसभा चुनाव समय से पूर्व इसी वर्ष महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के साथ ही करवा दिए जाए।

नीतीश कुमार शीघ्र चुनाव चाहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में एन.डी.ए. के अच्छे प्रदर्शन के बाद राज्य में जद (यू) के पुनर्निर्माण के बेहतर अवसर है। राज्य की 40 लोकसभा सीटों में से 30 पर एन.डी.ए. जीता है। जद (यू) व भाजपा को 12-12 सीटें मिली है तथा 5 सीटें चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी को और एक जितनराम की हिन्दुस्तान अवाग मोर्चा को मिली है। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भी बिहार महागठबंधन के दल बिहार में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। यहां राजद ने 4, कांग्रेस तीनों दो सीटें वामपंथी दलों ने और एक निर्दलीय पप्पू यादव ने जीती है। जद (यू) विधायक दल की हालिया मीटिंग में यह बात रखी गई है

- नीतीश की जद के पीछे कारण है कि, वे मानते हैं कि, अभी वर्तमान माहौल में अगर बिहार में चुनाव होते हैं तो उनकी पार्टी, जद (यू) के लिये इससे बेहतर समय नहीं आयेगा।
- मोदी अभी जद (यू) पर निर्भर हैं। अतः सीटों के बंटवारे आदि, अन्य चुनावी मुद्दों पर मोदी को मनाया जा सकता है, और अगर अगले वर्ष समय से ही चुनाव होते हैं, तो क्या पता मोदी छोटे-छोटे दलों का साथ लेकर जद (यू) पर इतने निर्भर नहीं रहेंगे, तथा चुनाव उतना ही मुश्किल हो जायेगा।
- पर, बिहार के भाजपा नेता जल्दी, समय से पूर्व, चुनाव कराने के विरोध में हैं। इन नेताओं के अनुसार, अगर एन.डी.ए. मध्यावधि चुनाव जीत भी गया तो भाजपा को पुनः नीतीश के छाते के नीचे ही खड़ा होना पड़ेगा, अगले पाँच साल तक, तथा शुद्ध भाजपा की सरकार बनाने के लिये और पाँच साल इंतजार करना पड़ेगा।

कि इस समय जबकि नेत्रंद्र मोदी की सरकार पूरी तरह से जद (यू) पर निर्भर है तब सीटों के बंटवारे और नेतृत्व के मुद्दे पर भाजपा से बेहतर डील कर सकती है। मान लीजिए अगर बिहार के चुनाव अगले वर्ष नवम्बर में निर्धारित समय पर होते हैं तो संभावना है कि तब तक भाजपा लोकसभा में अपनी संख्या बढ़ा लेगी और हो सकता है उसकी जद (यू) पर निर्भरता खत्म हो जाए। कुमार समझते हैं कि बिहार में उनकी पार्टी के लिए यही सर्वश्रेष्ठ समय है। दूसरी ओर भाजपा नेता जल्दी चुनाव के खिलाफ हैं। पार्टी नेता कहते हैं कि अगर शीघ्र चुनाव करवाने पर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## 'हमारी जीत की शुरुआत है, अंत नहीं'

उद्धव ठाकरे, शरद पवार व पृथ्वीराज चव्हाण ने प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 15 जून। लोकसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी गठबंधन के शानदार प्रदर्शन से उत्साहित शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि लोकसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) की जीत तो एक शुरुआत है अंत नहीं। उन्होंने भरसा जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों में विपक्ष का गठबंधन ही जीतेगा। ठाकरे ने एक संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। कॉन्फ्रेंस में एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस के पृथ्वीराज चव्हाण भी बोले। तीनों दलों ने राज्य के वर्धन में होने वाले चुनावों को लेकर प्रार्थमिक वार्ता की। ठाकरे ने कहा कि "राज्य की जनता ने दिखा दिया है कि भाजपा अजेय है यह मिथक किता खोखला है। लोकसभा चुनाव की जीत महाविकास अघाड़ी के लिये अंत नहीं शुरुआत है।" इसी बीच शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्हें महाविकास अघाड़ी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। लोकसभा

- जैसा कि विदित ही है, संसदीय चुनावों में महाविकास अघाड़ी गठबंधन ने महाराष्ट्र की 48 सीटों में से तीस पर विजय हासिल की है।
- कांग्रेस, जिसे पिछले चुनाव में एक सीट पर विजय मिली थी, ने इस बार तेरह सीटें जीतीं, शिव सेना (उद्धव ठाकरे ग्रुप) ने नौ सीटों पर जीत हासिल की, तथा शरद पवार की एन.सी.पी. ने आठ सीटें जीतीं।
- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि, उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने 21 सीटों पर चुनाव लड़ा था, कांग्रेस ने 17 पर व एन.सी.पी. (पवार ग्रुप) ने 10 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किये थे।

कुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 30 महाविकास अघाड़ी ने जीती। पवार ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने राज्या में एम.वी.ए. के पक्ष में मजबूत बनाया। महाराष्ट्र ने भाजपा के खराब प्रदर्शन को लेकर सार्वजनिक एवं निजी स्तर पर कई कटाक्ष किए जा रहे हैं। वर्ष 2019 में भाजपा ने यहां से 23 सीटें जीती थीं, पर इस बार भाजपा 9 सीटें ही जीत पाई। मोदी ने जिन 18 सीटों पर जोरदार प्रचार

किया था, भाजपा उनमें से 15 सीटों पर हार गई। इनमें तीन सीटें मुम्बई की थीं, मुम्बई नॉर्थ (केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल), नॉर्थ वेस्ट मुम्बई (रविन्द्र वाइकर-शिखेसा सिंदे गुट), सतारा (भाजपा के उदयनराज भोंसले) कांग्रेस नेता चौहान ने कहा कि लोक सभा चुनावों के परिणामों के बाद महाराष्ट्र सरकार का बदलाव अश्यंभावी है। प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा पवार ने कहा, "हम प्रधानमंत्री मोदी को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## लंग कैंसर सूंघ लेती हैं मधुमक्खियाँ

**-जाल खंबाता-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 15 जून। एक नए शोध के अनुसार मधुमक्खियाँ इंसान की सांस में मौजूद फेफड़ों के कैंसर से सम्बंधित बायोमार्कर्स और रसायनों को पहचान कर सकती हैं। शोध के नतीजों के अनुसार

■ मिशिगन स्टेट युनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर देवजीत साहा ने एक शोध में यह बताया। उन्होंने कहा कि, कुत्ते की तरह मधुमक्खी की सूंघने की शक्ति बहुत तेज होती है।

मधुमक्खी सैल कल्चर्स को सूंघ कर अलग-अलग प्रकार की लंग कैंसर कोशिकाओं को पहचान सकती हैं। इन नतीजों का इस्तेमाल फेफड़ों के कैंसर की समय से पूर्व पहचान करने के लिए बतौर मॉडल किया जा सकता है। मिशिगन स्टेट युनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड द इंस्टीट्यूट फॉर क्वांटिटेटिव हेल्थ साइंस एण्ड (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## भ्रष्टाचार के आरोपों की जाँच के लिये कमीशन गठित होने से पूर्व मु.मंत्री के.सी.आर. तिलमिलाये

के.सी.आर. ने इन्क्वायरी कमीशन के अध्यक्ष, हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश नरसिम्हा रेड्डी को पत्र लिखकर अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की राय दी

**-लक्ष्मण वैकट कुची-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 15 जून। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) सुप्रिमो के चन्द्रशेखर राव (के.सी.आर.) ने अपने शासनकाल के दौरान हुई कथित गड़बड़ियों को लेकर की जा रही जाँच के लिए एक जूडीशियल कमीशन गठित करने से तिलमिला गए हैं। उन्होंने इस कमीशन को अवैध बताया है। के.सी.आर. ने जस्टिस एल. नरसिंह रेड्डी को 12 पृष्ठों का एक कठोर पत्र लिखकर उन पर आरोप लगाया है कि उनका आचरण हाई कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त जज जैसा नहीं है। पत्र में जस्टिस नरसिंह रेड्डी से मांग की गई है कि वे जाँच कमीशन से स्वयं का हटा लें। जस्टिस रेड्डी कमीशन के.सी.आर. के मुख्यमंत्री रहने के दौरान किए गए विभिन्न पावर पर्चेज एग्रीमेंट्स (पी.पी.ए.) की जाँच कर रहा है। के.सी.आर. ने एग्रीमेंट्स में हुई किसी भी अनियतता का पुराजे खण्डन करते हुए कहा है कि

- पूर्व मु.मंत्री चन्द्रशेखर राव (के.सी.आर.) ने अपने शासनकाल में बाहर से बिजली खरीदने के कई अनुबंधन किये थे। पर, अब यह आरोप लग रहा है कि, इन अनुबंधनों पर हस्ताक्षर करने के पहले पावर सफाई करने वाली कंपनियों से अरबों रूपए का लैन-देन हुआ था।
- के.सी.आर. अपने पक्ष में यह कह रहे हैं कि, सभी एग्रीमेंट्स राज्य सरकार व केंद्रीय सरकार से स्वीकृति लेकर ही किए गए हैं तथा, स्टेट इलैक्ट्रिसिटी रेग्युलैटरी कमीशन के सभी आदेशों की भी राज्य सरकार ने पूर्ण रूप से अनुपालना की है।

उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार से जरूरी अनुमति प्राप्त की थी। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर उल्टे बदनाम करने के प्रयास का आरोप लगाते हुए के.सी.आर. ने कहा कि "यह मुझे अच्छा नहीं लगा कि आपने इन्क्वायरी कमीशन की परम्पराओं के विपरीत जाँच समाप्त होने से पूर्व ही एक प्रैस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दी। कानूनी कार्रवाई एक पवित्र कर्तव्य होता है क्योंकि जब दो पक्षों में कोई विवाद

उत्पन्न होता है तब न्यायिक मध्यस्थ ही सच को सामने लाता है। तथ्यों और पहलुओं के विस्तृत परीक्षण के बाद ही दस्तावेजो साक्ष्य के जिम्मेवार लोगों को रिपोर्ट किया जाता है और उसके बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है। छत्तीसगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के साथ 1000 मेगावाट के पावर परचेज एग्रीमेंट तथा 4 X 270 मेगावाट के मद्रादी थर्मल पावर स्टेशन (बी.टी.पी.एस.) और

8 X 800 मेगावाट के यदारी थर्मल पावर स्टेशन (वाय.टी.पी.एस.) के कार्य सम्पादन में हुई कथित अनियमितताओं की जाँच के लिए इस वर्ष के मार्च माह में जस्टिस रेड्डी कमीशन की नियुक्ति की गई थी। के.सी.आर. ने कमीशन पर यह आरोप भी लगाया कि उसने जाँच के परिणाम को पहले से ही तय कर लिया है। उन्होंने लिखा कि "ऐसा लगता है कि आपकी जाँच में कोई निष्पक्षता नहीं है। इसलिए यह स्पष्ट है कि आपके समक्ष में जो भी कुछ कहता हूँ, उसका कोई तुक नहीं है। उक्त सभी पर विचार करते हुए मैं आपसे विनम्र अनुरोध करता हूँ कि आप इस जाँच कमीशन से स्वेच्छा से हट जाएं।" के.सी.आर. ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का खण्डन करते हुए कमीशन की जाँच की वैधता पर सवाल खड़े करते हुए उसे गैर कानूनी बताया। पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि पी.पी.ए. के लिए इलैक्ट्रिसिटी एक्ट (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## कर्नाटक में पेट्रोल-डीज़ल 3 रूपए प्रति लीटर महंगा

**-लक्ष्मण वैकट कुची-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 15 जून। कर्नाटक सरकार द्वारा पेट्रोल व डीज़ल के दामों में भारी वृद्धि करने की भाजपा ने तीव्र

■ पेट्रोल व डीज़ल के दाम बढ़ाने के लिए केन्द्र की भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना करने वाली कांग्रेस की कर्नाटक सरकार ने राज्य में पेट्रोल डीज़ल के दाम बढ़ा दिए हैं, जिसकी भाजपा ने कड़ी निंदा की है।

भर्त्सना की है, सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर बिक्रीकर में वृद्धि की है। प्रदेश सरकार जिसने एक वर्ष तक ईंधन पर टैक्स नहीं बढ़ाया था पर अब बढ़ा दिया, इसका परिणाम यह होगा कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## यू.पी. में दस एम.एल.ए. सीटों पर "बाय-इलैक्शन" होंगे शीघ्र ही

भाजपा व सपा के नौ विधायक सांसद निर्वाचित हुए हैं अतः उन्हें अपनी एम.एल.ए. सीटों से इस्तीफा देना होगा, कुछ नये सांसद तो दे भी चुके हैं, और कुछ इस्तीफा देने की तैयारी में हैं

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 15 जून। हाल ही सम्पन्न हुए लोकसभा चुनावों में लगे तगड़े झटके के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने जा रहे उपचुनावों में इंडिया गठबंधन की कड़ी चुनौती का सामना करने की तैयारी कर रही है। उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ और मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) के 9 विधायक विभिन्न लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी रहे थे। लोकसभा सीटें जीतने के बाद इनमें से कुछ तो अपनी विधानसभा सीटों से पहले ही इस्तीफे दे चुके हैं और कुछ आने वाले दिनों में देंगे। सिसामऊ विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के विधायक हरफान सोलंकी को आगजनी के एक केस में

- दसवीं सीट, जिस पर बाय-इलैक्शन होना है, वह है, सीसामऊ की सीट, जहाँ से सपा के इरफान सोलंकी जीते थे। पर, इरफान सोलंकी को एक आगजनी के मामले में कोर्ट ने दोषी करार दिया है तथा उन्हें सात वर्ष की कैद की सज़ा सुनाई गई है। अतः इरफान सोलंकी को भी अपनी विधानसभा सीट से इस्तीफा देना पड़ेगा और यहाँ भी "बाय-इलैक्शन" होना अनिवार्य है।
- 2022 तक विधानसभा सीटों पर चुनाव मुख्यतया सपा व भाजपा के बीच ही हुए थे। पर, इस बार इंडिया गठबंधन का महत्वपूर्ण सदस्य होने के कारण कांग्रेस बाय-इलैक्शन में कुछ सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा रखती है।
- बाय-इलैक्शन में तीव्र संघर्ष होने की संभावना है। संसदीय चुनावों में, यू.पी. में भारी हार के बाद, भाजपा पूरा जोर लगायेगी, यह साबित करने के लिये कि, संसदीय चुनाव में हार का मतलब यह नहीं है कि, यू.पी. में उसका जनाधार खत्म हो गया है। दूसरी ओर इंडिया गठबंधन, सपा व कांग्रेस संसदीय चुनाव में भारी जीत से बने माहौल व कार्यकर्ताओं के मनोबल को बरकरार रखने के लिये, उपचुनाव में जीत को भारी महत्व दे रहे हैं।

को शुरू में कर्नाज लोकसभा सीट से सपा उम्मीदवार घोषित किया गया था। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 तक विधानसभा उप चुनावों में मुख्य मुकाबला सपा और भाजपा के बीच माना जाता था, किन्तु अब कांग्रेस भी

इण्डिया गठबंधन के भागीदार के रूप में कुछ सीटों पर चुनाव लड़ने की उम्मीद कर रही है। वर्ष 2022 के

## ट्रैवलर्स बस नदी में गिरी, 12 की मौत

रुद्रप्रयाग, 15 जून। उत्तराखंड में बदरीनाथ हाईवे पर शनिवार सुबह यात्रियों से भरा एक टॉपो ट्रैवलर रुद्रप्रयाग से 5 किमी पीछे रेतौली के पास अलकनंदा नदी में जा गिरा। सड़क हादसे में 12 यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि 14 पर्यटक घायल हुए हैं।

■ बताया जाता है कि ड्राइवर को झपकी आने से यह हादसा हुआ और ट्रैवलर बस 500 फीट नीचे नदी में गिर गई, हादसे में 14 अन्य घायल भी हुए हैं। इनमें 7 गंभीर घायलों को हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया। जबकि, 7 घायलों को रुद्रप्रयाग जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मय फोर्स मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू में जुट गए। हादसे की वजह (शेष अंतिम पृष्ठ पर)































# हार के कारणों पर मंथन के लिए भाजपा मुख्यालय में बैठकों का दौर शुरु

## बैठकों का दौर आज रविवार को भी जारी रहेगा

जयपुर, 15 जून (का.सं.)। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के मिशन 25 को प्रदेश में झटका लगा और पार्टी 14 सीटों पर सिमट गई। राजस्थान के चुनाव परिणाम ने प्रदेश से लेकर दिल्ली तक पार्टी के शीर्ष नेताओं की नींद उड़ा दी। अब, प्रदेश में 11 सीटों पर मिली हार को लेकर शनिवार दोपहर से मंथन का दौर शुरू हुआ है जो रविवार को खत्म होगा। इन बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल हुए। हालांकि, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भाजपा मुख्यालय में शाम को पहुंचे और चुर लोकसभा सीट को लेकर हो रही बैठक में शामिल हुए। मंथन के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने बताया कि, बैठकों में चुनावों के साथ-साथ पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा कागई। आज लोकसभा सीटों पर भी चर्चा हुई, जो कल भी जारी रहेगी।



लोकसभा चुनाव के खराब नतीजों के संदर्भ में भाजपा में बैठकों एवं मंथन का दौर शनिवार को शुरु हुआ। बैठकों भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित हो रही हैं तथा रविवार को भी जारी रहेंगी। शनिवार शाम को हुई बैठकों में मुख्यमंत्री भी शामिल हुए, जिनमें लोकसभा प्रभारी एवं सांसद प्रत्याशियों सहित तमाम भाजपा पदाधिकारियों से चर्चा की गई।

■ **बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी व कई अन्य नेता शामिल हुए।**

■ **बैठकों के बाद तैयार रिपोर्ट दिल्ली भेजी जाएगी।**

■ **बैठक में हरेक लोकसभा सीट का पूरा फीडबैक लिया गया।**

■ **बैठक में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और कैलाश चौधरी की गैर मौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही।**

की समीक्षा की गई। रविवार को भरतपुर, दौसा, गंगानगर सीटों की समीक्षा की करीली-धौलपुर, डूंगरपुर-बांसवाड़ा, जाएगी। इसके आधार पर तैयार रिपोर्ट

केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी।

भाजपा मुख्यालय में हुई इस बैठक के साथ लोकसभा चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री सतीश, सह प्रभारी विजया राठटक मौजूद थीं। बैठक में लोकसभा सीट के बारे में जिला अध्यक्ष, लोकसभा प्रभारी, सांसद प्रत्याशी सहित तमाम पदाधिकारियों से चर्चा की गई। एक-एक लोकसभावार पूरा फीडबैक लिया गया। बैठक में कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी नहीं पहुंचे।

## मोदी वाराणसी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निधि केन्द्र सरकार की योजना है जिसका शुभारम्भ 24 फरवरी 2019 को समस्त भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया गया था। यह योजना कुछ उच्च आय वर्ग के किसानों को छोड़कर अन्य पर लागू है। उन्होंने कहा कि इस योजना में लाभार्थियों का पंजीकरण करने व उनका सत्यापन करने में पूर्ण पारदर्शिता बरती गई है और भारत सरकार अब तक इस स्कीम में 3.04 लाख करोड़ रुपये भी वितरित कर चुकी है व अब तक 1.1 करोड़ किसानों को संपूर्ण देश में इकका फायदा मिल चुका है और अब जो राशि जारी की जा रही है, उसके बाद जब से यह योजना शुरू की थी।

लाभार्थियों को स्थानान्तरित कुल राशि की रकम 3.24 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया, उक्त में एक करोड़ लखपति दीदीयां पहले ही बनाई जा चुकी है, अब 2 करोड़ और बनाई शेष है। कृषि सखी उसी का एक आयाम है।

## लंग कैंसर सूंघ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंजीनियरिंग से अस्सिस्टेंट प्रोफेसर देबजित साहा ने बताया कि मधुमक्खियों की सूंघने की क्षमता कुत्ते जैसी ही अद्भुत होती है। साहा व उनकी टीम देखा चाहती थी क्या मधुमक्खी इंंसान की सांस में मौजूद रसायनों की पहचान कर सकती है, खासकर फेफड़ों कैंसर से पीड़ित व्यक्ति व सामान्य व्यक्ति की सांस में मौजूद रसायनों में अंतर कर सकती है। साहा ने कहा कि मधुमक्खी सांस में मौजूद रसायनों की मात्रा में बेहद मामूली परिवर्तन को भी चिन्हित कर सकती है। यह शोध बायोसेंसर्स एण्ड बायो इलेक्ट्रॉनिक्स जर्नल में छपा है।

# मु.मंत्री भजनलाल के 6 माह पूरे, महत्वपूर्ण निर्णय लिया

## राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अधिकारी व कर्मचारी केंद्र के सेवा नियमों संबंधी प्रस्तावों को मंजूरी दी

जयपुर, 15 जून (का.सं.)। युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भर्ती प्रक्रियाओं को सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारी कांडर के सेवा नियमों से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

शर्मा ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (राजपत्रित) सेवा नियम, 2024 एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (मंत्रालयिक एवं अधीनस्थ) सेवा नियम, 2024 का अनुमोदन किया है। साथ ही राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवाएं (सामान्य पात्रता परीक्षा) नियम, 2022 में आवश्यक संशोधन के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से बोर्ड के सेवा नियमों के निर्धारण की राह खुलने के साथ ही बोर्ड के कार्मिक वर्ग के चयन में सुगमता आएगी। कर्मचारी चयन बोर्ड के सशक्त एवं स्वतंत्र होने से पारदर्शी एवं समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित हो सकेगी।

■ **इस निर्णय से बोर्ड के सेवा नियम निर्धारित हो सकेंगे और बोर्ड कर्मचारी केंद्र के चयन की राह खुलेगी, इससे बोर्ड को मजबूती मिलेगी।**

■ **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को गठित हुए दस साल हो चुके हैं, पर, अभी तक भी इसके सेवा नियम नहीं बने थे।**

विभिन्न विभागों के वाहन चालकों के पदनाम में एकरूपता लाते हुए शैक्षणिक योग्यता के सेवा नियमों में संशोधन संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस संबंध में वाहन चालक पद के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता आठवीं से अपग्रेड करते हुए सैक्रेण्टरी या समकक्ष किए जाने का निर्णय लिया गया है।

शर्मा के इस निर्णय से भविष्य में वाहन चालकों की भर्ती के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा एवं टेड टेस्ट का आयोजन किया जा सकेगा। इससे सुगम एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के जरिए कुशल वाहन चालकों का चयन किया जा सकेगा।

## ‘हमारी जीत की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एमवीए महाविकास अघाड़ी के लिए राजनीतिक माहौल बनाने के लिए धन्यवाद देते हैं।’ अभी हाल ही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनावों में कांग्रेस ने 13 सीटों पर विजय पाई है, ओर प्रदेश में 2019 के मुकाबले संख्या में काफी वृद्धि हुई है, जबकि शिव सेना (यूबीटी) ने नौ एवं एनसीपी (एसपी) ने आठ सीटों पर जीत दर्ज की है। आम चुनावों के सीट-बंटवारे के समझौते, उद्भव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी को तीनों दलों की तुलना में सबसे ज्यादा मिली

थी। लोकसभा की 48 सीटों में से शिव सेना (यूबीटी) ने 21 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसके बाद कांग्रेस ने 17 सीटों पर तथा एनसीपी (एसपी) ने 10 सीटों पर। यदि तुलना करें तो सत्तारूढ़ महायुति 17 सीटें जीतने में सफल हुई है और भाजपा नीचे गिर कर 23 सीट से 9 पर चुनाव जीती है उसने 2019 में 23 सीटें जीती थी। एकनाथ शिन्दे के नेतृत्ववाली शिव सेना ने कुल 7 सीटें प्राप्त की है, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को इस चुनाव में केवल एक सीट प्राप्त हुई है।

# पांच सौ वंदे भारत, अमृत भारत ट्रेनें चलेंगी पांच साल में

नयी दिल्ली 15 जून (वार्ता) भारतीय रेलवे अगले पांच साल के भीतर 250 से अधिक वंदे भारत एक्सप्रेस और 300 से अधिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाएगी और देश में रेलवे पटरियों की लंबाई डेढ़ लाख ट्रेक किलोमीटर से अधिक हो जाएगी।

■ **रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, वंदे भारत ट्रेन का स्लीपर संस्करण तैयार हो चुका है, इसके साथ ही देश में रेलवे ट्रेक का विस्तार डेढ़ लाख किलोमीटर तक कर दिया जायेगा।**

अगले छह माह के भीतर ये गाड़ी पटरियों पर दौड़ने लगेगी। उन्होंने कहा कि वंदे भारत के मौजूदा चेरकार संस्करण के परिवर्तन के अनुभवों के आधार पर निरंतर सुधार की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत के स्लीपर संस्करण में गुंत्वाकर्षण का केन्द्र रूंचा होने के कारण उसे संतुलित

करने के लिए नीचे के बसे को भारी बनाया जरूरी है। वंदे भारत के स्लीपर संस्करण और चेरकार के नये संस्करण में मोटर की डिजाइन और बोगी की डिजाइन में सुधार किया गया है और मोटर में घूम मिट्टी और चेरकार आने की समस्या का समाधान किया गया है।

## ‘न मैं स्पीकर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिहार में एन.डी.ए. जीत भी जाती है तो भी भाजपा को नीतिश कुमार और उनकी पार्टी जद (यू) के साथे में रहना होगा और अपनी सरकार बनाने के लिए अगले पांच साल तक प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

हालांकि, नीतीश ने अपनी पार्टी को दिए गए विभागों पर या स्पीकर के पद पर कोई शोर नहीं मचाया है, पर बिहार में शीघ्र चुनाव के लिए उन्होंने लॉबीइंग शुरू कर दी है। समझा जाता है कि उन्होंने अपना मत प्रधानमंत्री मोदी और गुहमंत्रो अमित शाह को मत दिया है चूंकि भाजपा नेता इस मुद्दे पर चुप हैं इसलिए कुमार ने ओडिशा व आंध्र प्रदेश के शपथ ग्रहण समारोहों में नहीं जाकर अपनी नाराजी जता दी है।

# राज्यसभा में और मजबूत होगी एन.डी.ए., 10 सीटों पर चुनाव होंगे

नई दिल्ली, 15 जून। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को भले ही फायदा नहीं हुआ हो, लेकिन अब जो राज्यसभा के उपचुनाव होने वाले हैं उनमें बड़े फायदे के आसार बन रहे हैं। सांसदों के चुनाव जीतने के कारण राज्यसभा की 10 सीटें खाली हो गई हैं। अब इन सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं, जिनमें एन.डी.ए. को भारी सफलता मिलने की उम्मीद है। ये सभी 10 की 10 सीटें एन.डी.ए. के हिस्से में जाने की संभावना है, क्योंकि इन राज्यों में एन.डी.ए. की सरकारें हैं। एक और सीट का उपचुनाव महाराष्ट्र में भी होना है वह

■ **चुनावधीन 10 में से 7 सीटों को भाजपा पुनः हासिल कर लेगी तथा संकेत है कि, बिहार, राजस्थान और महाराष्ट्र की तीन सीटें भी भाजपा को मिल सकती हैं।**

भी एन.डी.ए. के हिस्से में ही जाएगी। लोकसभा चुनाव जीतने वाले राज्यसभा के 10 में से सात सांसद भाजपा के हैं। इनमें महाराष्ट्र के उदयन राजे भोंसले और पीयूष गोयल, त्रिपुरा में विष्णु देव, मध्य प्रदेश में ज्योतिरालिय सिंधिया, बिहार में विवेक ठाकुर, असम में कामाख्या प्रसाद ताशा और सर्वानंद सोनवाल शामिल हैं। भाजपा एक बार फिर इन सभी सीटों को

सीट पर राज्य में भाजपा की सरकार होने से उसे मिलने की संभावना है, लेकिन राज्य में जिस तरह से जजपा के समर्थन वापस लेने के बाद भाजपा सरकार निर्दलीय विधायकों के भरोसे पर चल रही है, उसे देखते हुए यहां पर चुनाव की स्थिति भी बन सकती है। महाराष्ट्र की एक और राज्यसभा सीट के उपचुनाव में एन.डी.ए. को ही जीत मिलेगी। यह सीट प्रफुल्ल पटेल के पिछले कार्यकाल के पूर्व होने से पहले ही इस्तीफा देने से रिक्त हुई थी। बाद में प्रफुल्ल पटेल पूरे कार्यकाल वाली सीट से चुनकर राज्यसभा में आए थे।

# आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने डीपफेक वीडियोज़ पर लगाम लगायेगी मोदी सरकार

## यूट्यूब, फेसबुक और दूसरे विडीयो प्लेटफार्मों को रेगुलेट करने के लिए भी मोदी सरकार आगामी संसदीय सत्र में कड़ा कानून ला सकती है

नई दिल्ली, 15 जून। 2024 लोकसभा चुनाव जीतकर सत्ता में आई मोदी सरकार आने वाले लोकसभा के सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाए हुए डीपफेक विडियो और फोटोज पर नजर रखने के लिए डिजिटल इंडिया बिल लाने की तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सरकार की तरफ से लाए जाने वाले इस बिल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को और बेहतर तरीकों से इस्तेमाल करने के पर भी ध्यान देने का प्रयास किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार इस बिल का

नाम डिजिटल इंडिया होगा। सरकार इस बिल को सदन में पेश करने से पहले सभी पार्टियों के साथ इस पर सहमति बनाने का प्रयास करेगी। आगामी लोकसभा सत्र में डीपफेक के अलावा यूट्यूब, फेसबुक और दूसरे विडीयो प्लेटफार्मों को रेगुलेट करने के लिए भी कानून आ सकता है। लोकसभा का अगला सत्र जो कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र होगा। यह 24 जून से शुरू होगा और 3 जुलाई तक चलेगा, फिर उसके बाद 22 जुलाई से मॉनसून सत्र शुरू होगा जो कि 9

अगस्त तक चालू रहेगा। इस साल की शुरूआत में केंद्रीय राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भी इस बिल के बारे में संकेत किया था। चंद्रशेखर ने तब कहा था कि हम इस बारे में सोच रहे हैं और इसको नई सरकार द्वारा लागू किया जाएगा। क्योंकि मुझे नहीं लगता कि हम चुनाव के पहले इस बिल को लेकर तैयार हो पाएंगे। यह बिल सदन में पेश करने से पहले हमें कई चीजों को देखना होगा, कई मुद्दों पर सलाह लेनी होगी तब जाकर हम इसे सदन में लाने के लिए तैयार हो पाएंगे।

डीपफेक एक टेक्नोलॉजी है जिसने कुछ समय से लगातार लोगों के मन में संदेह पैदा किया है। भ्रमित करने वाला कंटेंट और लोगों कि प्रायवेसी को भंग करने वाली यह टेक्नोलॉजी लगातार सरकार के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी। लोकसभा चुनावों के पहले चुनाव आयोग ने भी डीपफेक को लेकर अपनी चिंता जताई थी। फिल्म अभिनेत्री रश्मिका मंधाना की एक डीपफेक विडियो वायरल हुई थी जिसके बाद सभी ने इसको लेकर चिंता जताई थी।

## मध्यप्रदेश में 50 बाल श्रमिक शराब फैक्टरी में काम करते पाये गये

भोपाल, 15 जून। मध्य प्रदेश, भोपाल के पास स्थित रायसेन जिले में शनिवार को पुलिस ने सोम डिस्टिलरी नाम की शराब फैक्ट्री में छापामारा, यहां पर शराब बनाने के काम में 50 से ज्यादा बच्चे काम करते पाए गए। जिसके बाद इस मामले में पुलिस ने एफ.आर्.आर. दर्ज कर ली है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष से मिली शिकायत के बाद पुलिस ने की। इसके बारे में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा, हमें बचपन बचाओ आंदोलन एनजीओ से शिकायत मिली थी कि मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के सेहतगंज में सोम डिस्टिलरी नाम की एक शराब फैक्ट्री में बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है।

# ट्रैवल्स बस नदी में गिरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चालक को नौद को झपकी आना बताया जा रहा है। शुक्रवार रात को टेंपो ट्रेवलर 26 यात्रियों को लेकर दिल्ली से चोपता तुंगनाथ के लिए निकला था। शनिवार सुबह लगभग 11.20 बजे रुद्रप्रयाग जिले में रैतौली के पास टेंपो ट्रेवलर पांच सौ फिट नीचे अलकनंदा में गिर गया। वाहन के नदी में गिरते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। इस दौरान समीप ही रेलवे लाइन में काम कर रहे मजदूर भी बचाव के लिए घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े। घटना की खबर मिलते ही पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदार्णे, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार धिल्लियाल, अपर जिलाधिकारी रम्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी आशीष धिल्लियाल, एआरटीओ प्रमोद कर्नाटक मौके पर पहुंचे। मौके पर 10 लोगों की मौत हो चुकी थी। एम्बुलेंस की मदद से 16

घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां उपचार के दौरान 2 लोगों की मौत हो गई। जबकि 7 गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गुलबाराय मैदान से अलग-अलग हेलीकॉप्टरों की मदद से ऋषिकेश एम्स भेजा गया।

बताया कि हादसे के बाद तुरंत ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टेंपो ट्रेवलर तेज गति से चल रहा था।

## भ्रष्टाचार के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2007 के अनुसार सभी अनुमतिनाम केन्द्र और राज्य सरकारों से ली गई थी और बी.आर.एस. सरकार ने स्टेट इलेक्ट्रीसिटी रेग्युलेटरी कमीशन्स (एस.ई.आर.सीज़) के निर्णयों के आधार पर काम किया था। उन्होंने कहा कि एस.ई.आर.सी. एक न्यायिक संस्था है और मुख्यमंत्री रैवत रेड्डी को यदि एस.ई.आर.सीज़ के निर्णयों से कोई शिकायत थी तो उन्हें इलेक्ट्रीसिटी अपपैलेट ट्रायब्यूनल (ए.पी.टी.ई.एल.) अथवा सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी चाहिए थी।

# यू.पी. में दस एम.एल.ए. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुप प्रधान वार्षिक हाथरस की (अजा-सुरक्षित) लोकसभा सीट से विजयी हुए हैं। विधायक रहते हुए लोकसभा चुनाव जीते भाजपा के अन्य नेता भी अपनी विधानसभा सीटें रिक्त करेंगे। इनमें फूलपुर विधानसभा सीट से प्रवीन पटेल और गाजियाबाद विधानसभा सीट से अतुल गर्ग शामिल हैं। पटेल फूलपुर लोकसभा सीट से और गर्ग गाजियाबाद लोकसभा सीट से चुनाव जीते हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय लोक दल (आर.एल.डी.) के लिए भी उत्तरप्रदेश

के विधानसभा उप चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न होगा। यू.पी. में पिछले विधानसभा चुनाव में सपा और आर.एल.डी. गठबन्धन में थे। आर.एल.डी. ने तब मीरापुर विधानसभा सीट जीती थी। लेकिन वहां के निवर्तमान विधायक चंदन चौहान इस बार भाजपा गठबन्धन के साथ विजयी रहेंगे। आर.एल.डी. प्रमुख जयंत चौधरी नई केन्द्र सरकार में मंत्री बन गए हैं, इसलिए पार्टी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी अब चन्दन चौहान पर है।

## कर्नाटक में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब रविवार से पेट्रोल 3 रुपये प्रति लीटर ज्यादा कीमत पर बेचा जाएगा तथा डीज़ल पर अब 3.02 रुपये ज्यादा धुगतान करना होगा। सरकारी सूचना अनुसार प्रदेश सरकार ने पेट्रोल पर कर्नाटक सेल्स टैक्स ( के. एस. टी.)25.92 प्रतिशत से बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत कर दिया तथा डीज़ल पर यह वृद्धि 14.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.4 प्रतिशत कर दी है। इस बीच, भाजपा के नेताओं ने सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के द्वारा सेल्स टैक्स की दरों में वृद्धि करने के निर्णय की कटु आलोचना की है और कहा है कि कांग्रेस का असली चेहरा उजागर हो गया है। केन्द्रीय मंत्री बी.एल. शर्मा ने कहा कि कर्नाटक सरकार आम आदमी को बोझ बढ़ाती जा रही है और वो उसके इस बढ़ाती की भर्त्सना करते हैं।

# इटली की प्रेसिडेंट जॉर्जिया मेलोनी और प्र.मंत्री मोदी की सैल्फी ने खूब सुखियां बटोरीं

## मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ सहित दुनिया के कई नेताओं के साथ बातचीत की

नई दिल्ली, 15 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली गए थे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत हुआ। बुनिया के शीर्ष नेताओं के बीच उनकी दीवानगी भी देखने को मिली। आपकी बात दें कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ सहित दुनिया के कई नेताओं के साथ बातचीत की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने उनके साथ सैल्फी भी ली। इसके अलावा ग्रुप फोटो के दौरान उन्हें मंच पर बीच की महत्वपूर्ण जगह दी गई। पीएम मोदी ने शनिवार की सुबह

■ **इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अपने फोन से प्र.मंत्री मोदी के साथ सैल्फी ली। इसके अलावा ग्रुप फोटो के दौरान मोदी को मंच पर बीच की महत्वपूर्ण जगह दी गई।**

■ **प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ भी अलग से बातचीत की।**

एक्स पर लिखा, अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन में बहुत ही उपयोगी रहा। विश्व नेताओं से बातचीत की और विभिन्न विषयों पर चर्चा की। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य ऐसे प्रभावशाली समाधान तैयार करना है जिससे वैश्विक समुदाय को लाभ हो और भावी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया का निर्माण हो। मैं इटली के लोगों और सरकार को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए धन्यवाद देता हूँ। प्रधानमंत्री मोदी ने जो बाइडेन के साथ भी अलग से बातचीत की। मोदी-बाइडेन की यह बातचीत वॉशिंगटन द्वारा सिख अलगाववादी गुप्तचर विभाग से भी हलका की नाकाम साजिश में भारतीय लिंक के आरोपों के करीब सारत महीने बाद हुई है। बाइडेन के साथ अपनी बैठक के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका

वैश्विक भलाई को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। अपनी यात्रा के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेन्स्की, इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी और जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा से भी मुलाकात की। जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया जाना इस बात का संकेत है कि नेजी से बढ़ते चीन का मुकाबला करने की पश्चिम की योजनाओं में भारत को प्रमुखता से जगह दी जा रही है। भारत के अलावा 11 विकासशील देशों के नेताओं को भी आमंत्रित किया था।